अमर उजाला कानपुर 29/12/2021

खेत में करें गंधक का छिड़काव, पाले से बचाएं

कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने फसलों को सदी से बचाने के लिए एडवाइजरो जारी की। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आल अरहर, चना, सरसो, तोरिया, गेह, जो आदि फसलों को पाले से बचाएं। तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम होने पर पाला पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। फसलों को बचाने के लिए 0.1 प्रतिशत गंधक का छिड़काव खेत में करें ताकि मिट्टी का तापमान बढ़ जाए। नर्सरी को पुआल से ढंककर रखें। पाला पड़ने से पहले खेत में हल्की सिंचाई जरूर करें। (संवाद)

गिर सकता है पाला, करें फसलों की सुरक्षाः सीएसए के निदेशक प्रसार डा. अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि इस मौसम में किसानों को अपनी फसलों की सुरक्षा करने की जरूरत है। किसान आलू, अरहर, चना, सरसों, गेह आदि फसलों को बचाएं। दैनिक जागरण कानपुर 29/12/2021

लखनऊ संस्करण

वर्ष-०६, अंक -६६ बुधवर, २९ दिसंबर २०२१ पृष्ठ-१२ मृत्य-३ रुपये इस्ते. नेहर, लकाटा और वेहमान से प्रशांक



For epaper: www.dainikbhaskarup.com

सार सुरिवंयां

'किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं'

कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा



कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना,सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें, गेहूं,जों आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 ल गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।



मंगलवार, 28-12-2021 अंक-444

www.worldkhabarexpress.media www.worldkhabarexpress.com



MID DAY E-PAPER

पाले से फसलों की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। बताया है कि जब सर्दी चरम पर होती है, उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौ आदि फसलों को बचाएं। डॉ. सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 फीसदी गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें। साथ ही खेतों में उत्तर-पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियां लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके।

edit and save changes to this file.



देश-विदेश

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

उत्तर प्रदेश

कडाउन', स्कूल, सिनेमा और जिम बंद, शादी... 12 <

यूपी में माफिया राज खत्म, अब तो योगी राज.

04



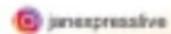
mf: 13 | 3fm: 77

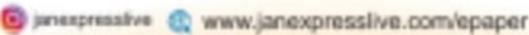
現在 13.00/-

प्रेज : 12









लखनऊ | बुधवार | २९ दिसंबर, २०२१

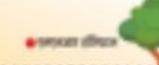














फसलों को पाला व ठंड से बचाने के लिए जारी की गई एडवाइजरी

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय निदेशक प्रसार डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सदी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी



नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहं, जौं आदि फसलों को बचाएं। जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0

डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 प्रतिशत गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है। उन्होंने किसानों को अपनी नसंरी को पुआल से ढकने तथा पाला पड़ने की संभावना होने पर खेत में हल्की सिंचाई करने की सलाह दी जिससे मिट्टी का तापमान बढ़ जाएगा और पाले से फसल की सुरक्षा होगी।

राष्ट्रायस्वराय

किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ अरविन्द

कानपुर । सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने

चना,सरसों,तोरिया,बागवानी अरहर, फसलें, गेहूं,जौं आदि फसलों को बचाएं।



वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1त्न गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा

किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और

है।इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

ार ऑफ द ईयर के लिए नामित...13

लखनऊ, बुधवार, २९ दिसंबर २०२१

सौरव गांगुली कोरोना संक्रमित,

फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ. अरविन्द कानपुर। सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों, तोरिया, बागवानी फसलें, गेहूं, जौं आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है।





नई दिल्ली संस्करण वर्ष-०१, अंक - ५७

Jt.c.p. Licence No.- F2 (L-1) Press-2021

बुचवार, २९ दिसंबर २०२१ | पृष्ठ १२ | मूल्य ३ रू*

or epaper → www.loknayakbharat.com ਕੜ੍ਹੇ ਇਦਦੀ ਕੇ ਹੜਾਇਦ

किसान अपनी फसलों को कड़क सर्दी से बचाएं : डॉ अरविन्द

कानपुर । सीएसए के निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ अरविंद कुमार सिंह ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना,सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें,



गेहूं,जौँ आदि फसलों को बचाएं। डॉ सिंह ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1% गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।